आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :330 पृष्ठ -4 दिनांक 03 दिसम्बर 2024 दिन मंगलवार

महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

आपदा से निपटने के लिए किए गए यह खास इंतजाम

प्रयागराज संगम नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ मेले (डींानउईं 2025) में इस बार दुनिया भर से तकरीबन चालीस श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है. इन श्रद्धालुओं को भगदड़ – नदी में डूबने, आग लगने या आपदा की कोई दूसरी स्थिति आने पर किस तरह से बचाया जाना है, इसे लेकर लगातार कवायद की जा रही है. फोर्स के साथ ही अग्निशमन विभाग और गोताखोरों को ट्रेनिंग दी जा रही है. एनडीआरफ और एसडीआरएफ के जवानों को मेला क्षेत्र की परिस्थितियों से रूबरू कराया जा रहा है.उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लगातार वर्कशॉप आयोजित कर रहा है. इसमें यह बताया जा रहा है कि पहले तो बेहतर मैनेजमेंट से किसी तरह की आपदा को रोकना है, लेकिन अगर आपदा की कोई स्थिति आती है तो सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित बचाकर उनकी जान माल की पूरी तरह से हिफाजत करनी है. श्रद्धालुओ को सुरक्षित रखने में आ. टिफिशियल इंटेलिजेंस समेत सभी नई तकनीको का जमकर इस्तेमाल करना है. वर्कशॉप आयोजित कर वॉलिंटियर्स को दी जा रही ट्रेनिंग वर्कशॉप आयोजित कर अलग–अलग विभागों में को ऑर्डिनेशन कर उन्हें ट्रेनिंग देने का काम उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की तरफ से किया जा रहा है. प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी खुद ही सरकारी विभागों के साथ ही वॉलिंटियर्स को ट्रेनिंग देने का काम कर रहे हैं. अभी फिलहाल गूगल मैप और वीडियो फिल्म के जरिए मेला क्षेत्र की हकीकत से रूबरू कराया जा रहा है. उन्हें

अलग–अलग जगह और अलग–अलग परिस्थितियों के मुताबिक आपदा रोकने के लिए तैयार किया जा रहा है. दो हफ्ते के बाद मेले में बसावट शुरू होने पर सरकारी अमले से जुड़े लोगों और वॉलिंटियर्स को ग्राउंड जीरो पर ले जाकर फील्ड ट्रेनिंग दी जाएगी. लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी के मुताबिक आपदा मैनेजमेंट को लेकर महाकुंभ प्रशासन के पास हाई तकनीक वाले तमाम उपकरण मौजूद है. डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तकरीबन ढाई हजार हाई क्वालिटी कैमरों से निगरानी की जाएगी. आग बुझाने के मामलों में रोबोट की मदद ली जाएगी. इसके अलावा गहरे पानी में किसी श्रद्धालु के डूबने पर अंडरवाटर ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा. इन तकनीकों और उपकरणों के जरिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा करना बेहद आसान हो जाएगा.महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा बड़ी चुनौतीलेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी के मुताबिक तकनीक और उपकरणों के हाईटेक होने के बावजूद महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा बड़ी चुनौती है. आपदा प्रबंधन के काम में लगे लोगों को पल–पल सजग रहना है. उनके मुताबिक सबसे बड़ा काम भीड़ को नियंत्रित करना है. भीड़ को कहीं रोका नहीं जा सकता, ऐसे में उसे डाइवर्ट कर किसी भी संभावित आशंका या दुर्घटना को रोका जा सकता है. उनके मुताबिक सभी तैयारिया पूरी कर ली गई हैं और श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान कराया जाएगा.

योगी सरकार ने यूपी में बनाया 76वां जिला,तीन तहसीलों के 67 गांव शामिल

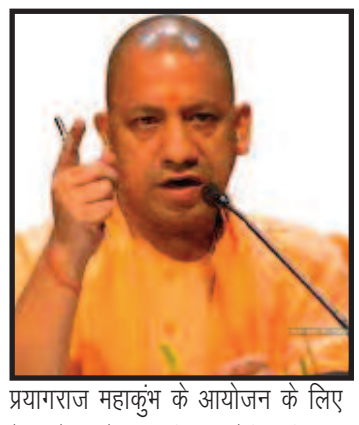

प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन के लिए मेला क्षेत्र को नया जिला घोषित किया गया है. नए जिले का नाम महाकुंभ मेला रखा गया है. महाकुंभ मेला नाम से नये जिले की अधिसूचना जारी कर दी गई है. महाकुंभ मेला जिले में भी वह सभी प्रक्रियाएं अपनाई जाएंगी, जो किसी दूसरे जिले के संचालन के लिए जरूरी होती हैं. यानी महाकुंभ क्षेत्र के अलग डीएम और पुलिस कप्तान होंगे. अलग थाने और पुलिस चौकियां होगी.महाकुंभ मेला नाम से नया जिला बनने के बाद उत्तर प्रदेश में जिलों की संख्या अब बढ़कर 75 से 76 हो गई है. सूबे में एक अतिरिक्त जिला महाकुंभ मेले के आयोजन के बाद तक कायम रहेगा. गौरतलब है कि कुंभ और अर्ध कुंभ के मौके पर नए जिले की अधिसूचना जारी किए जाने की परंपरा है. प्रयागराज में इस बार तो महाकुंभ का आयोजन हो रहा है. ये अधिकारी होंगे क्ड और एसपी शासन के निर्देश पर प्रयागराज के डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने रविवार देर शाम नए जिले की अधिसूचना की अधिसूचना को जारी किया है. महाकुंभ मेला जिले में पूरा परेड क्षेत्र और चार तहसीलों सदर, सोरांव, फूलपुर और करछना के 67 गांव शामिल हैं. महाकुंभ मेला जिले के कले. क्टर मेलाधिकारी विजय किरन आनंद होंगे, जबकि एसएसपी के तौर पर राजेश द्विवेदी की नियुक्ति पहले ही हो चुकी है. नए जिले की अधिसूचना जारी होने के बाद महाकुंभ जिले के डीएम सभी श्रेणी के मुकदमों में कलेक्टर के समस्त अधिकारों का उपयोग करेंगे. अधिसूचना में कलेक्टर के सभी कार्य करने के अधिकार भी उन्हें दिए गए हैं. अधिसूचना के मुताबिक तहसील सदर के 25 गांव, तहसील सोरांव के तीन गांव, तहसील फूलपुर के 20 गांव और करछना तहसील के 19 गांव शामिल किए गए हैं. परेड क्षेत्र के साथ ही महाकुंभ मेला जिले में चार तहसीलों के कुल 67 गांव शामिल किए गए हैं. महाकुंभ के आयोजन के कुछ दिनों बाद तक महाकुंभ मेला जिले का अस्तित्व रहेगा. यह नया जिला अस्थाई तौर पर बनाया गया है. इस बार के महाकुंभ का आयोजन तेरह जनवरी से छब्बीस फरवरी के बीच हो रहा है. यूपी की योगी सरकार महाकुंभ के आयोजन को लेकर खास तैयारिया कर रही है.

दोस्त को हथौड़े से 41 वार कर मार डाला, शव का हाल देख कांपे डॉक्टर

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में सनसनीखेज मामला सामने आया है। सदर कोतवाली इलाके में दोस्ती नगर–सिंधूपुर गांव के पास मिले युवक के शव की तीसरे दिन पहचान हो गई। मृतक सुमित गंगाघाट कोतवाली के सहजनी गांव का निवासी था। हत्या मसवासी निवासी उसके दोस्त ने दो अन्य साथियों की मदद से प्रेम प्रसंग में बाधक बनने पर की थी। खुन्नस इतनी थी कि आरोपी ने युवक पर हथौड़े से 41 वार किए। पोस्टमार्टम में 30 चोटें उसके सिर में और 11 चोटें चेहरे पर पाई गई हैं। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लिया है।सहजनी गांव निवासी सुमित (21) पुत्र विश्राम बड़े भाई अमित के साथ शादी बरातों में काम करने जाता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सहालग में काम करने वाले सदर कोतावली क्षेत्र के मसवासी निवासी श्याम से उसकी दोस्ती थी। श्याम के माखी निवासी रिश्तेदार की बेटी से उसका (सुमित) का प्रेम प्रसंग चल रहा था, श्याम भी उसी युवती से प्रेम करता था। सुमित की युवती से नजदीक बढ़ते देख श्याम खुन्नस मानने लगा। सूत्रों के मुताबिक, श्याम ने सुमित को ठिकाने लगाने की साजिश रची और शहर की कांशीराम कालोनी निवासी दो दोस्तों की मदद ली। 28 नवंबर को देर शाम, श्याम ने सुमित को फोन करके एक बरात में वीडियोग्राफी में सहयोग करने के लिए बुलाया।यहां चारों ने शराब पी और एक ही बाइक से दोस्तीनगर–भतावां रोड पहुंच गए। सभी बाइक से दोस्तीनगर–सिंधूपुर गांव रे मार्ग पर पहुंचे। यहां श्याम के दोनों साथी लघुशंका के बहाने दूर हट गए, जिसके बाद श्याम ने सिर और चेहरे पर हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर सुमित की हत्या कर दी। शव को झाड़ी में फेंकने के बाद दोस्तों को लेकर भाग गया।

यूपी के इन जिलों में पड़ेगी कड़ाके की ठंड

दिसंबर की शुरुआत हो गई है, लेकिन अभी कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू नहीं हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, पहले सप्ताह के बाद मौसम में बदलाव आएगा। रात में ठंडी हवा चलने की आशंका जताई जा रही है। आने वाले दिनों में कोहरे व ठंड का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश कड़ाके ठंड पड़ने की चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक, 10 दिसंबर से कड़ाके की ठंड शुरू हो सकती है। बंगाल की खाड़ी की ओर आ रहे हवाओं में बदलाव होगा। वही रविवार को सुबह हल्का कोहरा छाया रहा। जिले का अधिकतम तापमान 25 डिग्री व न्यूनतम 10.5 तापमान रहा।

सोमवार को भी सुबह हल्के कोहरे की आशंका जताई गई है।मुरादाबाद। अगर आप भी सर्दी में गर्मी का अहसास करना चाहते हैं तो गांधी आश्रम में कश्मीर के ऊन से तैयार कपड़े पहनें। यहां कश्मीर के ऊन से तैयार जैकेट, स्वेटर, कोट, सदरी आदि उपलब्ध हैं। यहां वर्तमान में सबसे ज्यादा मांग जैकेट की है। इधर, पारकर इंटर कॉलेज में लगी तिब्बत मार्केट में 1000 से ज्यादा प्रकार के आ. टिकल उपलब्ध हैं। पीएसी स्थित गांधी आश्रम आपको सर्दी से बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यहां कश्मीरी और श्रीनगर की ऊन से तैयार कपड़े मिल रहे हैं। खास बात ये है कि यहां मिलने वाले सभी कपड़े हाथ की सिलाई से तैयार किए जाते हैं। जिससे कपड़े बेहतर गुणवत्ता के बनते हैं। साथ ही यह दिखने में भी काफी स्टाइलिश हैं।

मेरठ में निकाह में बरसी दौलत! दूल्हे को 2.56 करोड़, 11 लाख जूता चुराई, काजी को किया मालामाल

मेरठ में एक शाही निकाह का वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर हर किसी आंखे फटी रह गईं. निकाह पैसों की इतनी बारिश ऐसी बारिश कि अच्छे–अच्छे शेख भी शरमा जाएं. दूल्हे से लेकर जूता चुराई तक की रस्मों पर लाखों–करोड़ों रुपये उड़ाए गए वो कैश. जिस काजी ने निकाह पढ़वाया उसे भी मालामाल कर दिया गया. ऐसा लगा कि यहां शादी नहीं बल्कि ऊपर वाले ने पै. सों का छप्पड़ फाड़ दिया हो. वायरल वीडियो मेरठ का बताया जा रहा है. ये शाही शादी मेरठ बाईपास रोड पर स्थित एक महंगे रिसोर्ट में आयोजित की गई थी. बारात गाजियाबाद से मेरठ पहुंची थी, दुल्हन के घरवालों की तरफ से बड़े–बड़े सूटकेसों में भरकर पैसा लाया गया था वो भी सारा कैश. वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि निकाह की रस्में की जा रही है, जिसमें दूल्हे पर 2.56 करोड़ रुपयों की बारिश की गई. दूल्हे पर बरसे करोड़ों रुपयेदूल्हे को इतना पैसा दिया गया तो दूसरी रस्मों पर कई रईसी नहीं थी, जूता चोरी से लेकर निकाह पढ़ाई तक और मस्जिद में दान दिए जाने के लिए लाखों रुपये लुटाए गए. इस निकाह में जूता चुराई की रस्म में 11 लाख रुपये दिए गए तो जिस काजी ने निकाह पढ़वाया उसे भी जमकर धनवर्षा हुई. काजी को निकाह

पढ़ाने के लिए 11 लाख रुपये दिए गए और आठ लाख रुपये मस्जिद को दान किए गए. वायरल वीडियो में निकाह की रस्में निभाते हुए देखा जा सकता है, जिसमें एक शख्स कहता है कि दूल्हे के लिए 2.56 करोड़ रुपये हैं. इसमें 75 लाख रुपये गाड़ी के लिए हैं. जिसके बाद आठ लाख रुपये मस्जिद के नाम पर दान दिए जाते हैं, ग्यारह लाख रुपये निकाह पढ़ाने वाले के लिए और 11 लाख रुपये जूते चुराई के दिए जाते हैं. सारा पैसा कैश में दिया जाता है. जिस वक्त ये पैसा दिया जा रहा होता है उस वक्त कई लोग इसका वीडियो बनाते दिखाई देते हैं. अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. लोग शादी में इतना पैसा देखकर दांतों तले उंगली दबा रहे हैं. इस वीडियो पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिल रही है, कुछ लोग इसे शादी पर दिखावटी खर्चा बता रहे हैं तो वहीं कई लोग इतने कैश को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं.

एक फर्जी पत्रकार ने जो हर जगह नए नए नाम से जाना जाता है।पुलिस भी रहती है दबाव में,सूत्र

एटा– पिछले लगभग 2 साल से एक व्यक्ति जो कि आर के वर्मा ,राज,बबलू,राहुल इन नामो से जाना जाता है।सूत्रों की माने तो इसके कई अवैध धंधे चल रहे है। जैसे कि मिट्टी खनन,बालू खनन,जुआ सत्ता शराब, फर्जी हॉस्पिटल ,कुछ लोगों ने बताया कि हमसे इसने बहुत पैसे ऐंठे है।ओर इसने बन विभाग पर अपनी पकड़ बहुत मजबूत बना रखी है। ये कुछ पत्रकार से रंगदारी भी लेता है, तब हमने इसके बारे में पता किया इसका सूचना विभाग में अभी का कोई रिकॉर्ड दर्ज नही है। अतः इसकी जानकारी पुलिस को दे दी गई है। अब देखना ये होगा पुलिस इसमे क्या संज्ञान लेती है।

आगरा विश्वविद्यालय में BHMS के छात्रों ने किया हंगामा, परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर प्रदर्शन

आगरा विश्वविद्यालय ने एक और गजब का कारनामा कर डाला। नेशनल मेडिकल कॉलेज होम्योपैथिक गोमती नगर लखनऊ सहित कई कॉलेजों के छात्राओं को एक ही विषय में फेल कर दिया। ये छात्र परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर पहुंचे, जहां प्रदर्शन किया। छात्रा आकृति ने बताया उसको एक विषय में 100 में से 39 नंबर दिए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि 40 प्रतिशत परीक्षार्थियों को कम्युनिटी मेडिसिन विषय में फेल कर दिया गया है। इसी समस्या को लेकर विश्वविद्यालय आए हैं, लेकिन सुबह से उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही।

पुतिन को PM मोदी का निमंत्रण, भारत–रूस संबंधों में नई शुरुआत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत आने का आ. ैपचारिक निमंत्रण दिया है. क्रेमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने एक ब्रीफिंग के दौरान बताया कि पुतिन के इस दौरे की तारीखें 2025 की शुरुआत में तय की जाएंगी. इस निमंत्रण के पीछे भारत–रूस के बीच बढ़ते संबंधों को और मजबूत करने की मंशा नजर आती है.रूस और भारत के बीच लंबे समय से बिजनेस, रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग जारी है. यह दौरा दोनों देशों के नेताओं को अलग–अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा का अवसर प्रदान करेगा. पुतिन और मोदी के बीच पहले से ही एक समझौता है कि वे नियमित अंतराल पर बैठक करेंगे. यह दौरा उस समझौते का हिस्सा है जो भारत और रूस के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक हो सकता हैवैश्विक चुनौतियों पर भी होगी चच. बिता दें कि भारत और रूस दोनों ही देशों ने वैश्विक स्तर पर कई मुद्दों पर एक समान रुख अपनाया है. जानकारी के अनुसार इस संभावित दौरे के दौरान यूक्रेन संघर्ष, ऊर्जा संकट और एशिया–प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है. ऐसे में माना जा रहा है कि भारत और रूस के बीच इस संवाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों देशों की स्थिति मजबूत हो सकती है.मजबूत साझेदारी का प्रतीकपुतिन का भारत दौरा दोनों देशों के लिए रणनी. तिक साझेदारी को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है. यह दौरा यह दर्शाएगा कि भारत और रूस न केवल पारंपरिक सहयोग बनाए रखना चाहते हैं बल्कि इसे नए क्षेत्रों में भी विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अब भारतीय विदेश नीति के इस कदम को दोनों देशों के संबंधों को और गहरा करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है.

चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश अल्पसंख्यक परिषद उठाई मांग

हमारे 70 वकीलों और जर्नलिस्टों को करें रिहा

बांग्लादेश में ISKCON धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया है. 25 नवंबर को हुई इस गिरफ्तारी के बाद देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए. इन प्रदर्शनों में हिंसा हुई, जिसमें एक वकील की मौत हो गई. इसके बाद पुलिस ने 70 अल्पसंख्यक वकीलों और दो पत्रकारों पर विभिन्न मामलों में केस दर्ज किया है बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताया. परिषद का कहना है कि यह मामला चिन्मय दास के खिलाफ चल रही कार्रवाई में बाधा डालने के लिए और संबंधित समाचारों को दबाने के मकसद से बनाया गया है. परिषद ने सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से झूठे मामलों को वापस लेने और वकीलों एवं पत्रकारों को तुरंत रिहा करने की मांग की है.पुजारियों की गिरफ्तारी का आरोप कोलकाता ने आरोप लगाया है कि बांग्लादेश पुलिस ने चिन्मय कृष्ण दास से मिलने के बाद लौट रहे दो पुजारी, आदिपुरुष श्याम दास और रंगनाथ दास ब्रह्मचारी को भी गिरफ्तार कर लिया है. वहीं ISKCON उपाध्यक्ष राधा रमन ने दावा किया कि चिन्मय दास के सचिव कृष्ण दास को भी

हिरासत में लिया गया है. इसके अलावा, दंगाइयों द्वारा बांग्लादेश में केंद्रों पर हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आई हैं. हिंसा और वकील की मौत 27 नवंबर को हुई हिंसा के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में एक वकील की मौत हो गई. इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन से जुड़े कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए. इन आरोपियों में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े 70 वकील और दो पत्रकार भी शामिल हैं. भारत ने जताई चिंताभारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर विरोध दर्ज कराया है. भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेशी सरकार के सामने इस मुद्दे को उठाते हुए हिंसा और चरमपंथी घटनाओं पर अपनी चिंता व्यक्त की. भारत ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश सरकार से कार्रवाई की मांग की है

IPS अफसर की सड़क दुर्घटना में मौत, 26 साल के थे, . पहली पोस्टिंग के लिए जा रहे थे कर्नाटक

कर्नाटक में एक बड़ा हादसा हुआ है. पुलिस ने सोमवार को बताया कि हसन जिले में अपनी पहली पोस्टिंग के लिए जाते समय एक 26 वर्षीय आईपीएस अधिकारी की दुर्घटना में मौत हो गई. पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन मध्य प्रदेश के रहने वाले थे. वह अपनी पहली पोस्टिंग के लिए जा रहे थे, तभी उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई.दुर्घटना रविवार शाम को हुई जब हसन तालुक के किट्टाने के पास बर्धन जिस पुलिस वाहन में यात्रा कर रहे थे उसका टायर फट गया. पुलिस के अनुसार, इसके परिणामस्वरूप, चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद गाड़ी सड़क किनारे एक घर और एक पेड़ से टकरा गई.बर्धन होलेन. रसिपुर में परिवीक्षाधीन सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में अपना कर्तव्य संभालने के लिए हसन जिले जा रहे थे. तत्काल चिकित्सा सुविधा मिलने के बा. वजूद, सिर में गंभीर चोट लगने के कारण अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई. दुर्घटना में ड्राइवर (जिसकी पहचान मंजेगौड़ा के रूप में हुई) को मामूली

चोटें आईं.बर्धन ने हाल ही में मैसूर में कर्नाटक पुलिस अकादमी में चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया था, उसके बाद वे अपनी पोस्टिंग पर चले गए. कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अधिकारी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की.

तमिलनाडु में मिट्टी धंसने से 7 लोग मलबे में फंसे, फेंगल से भारत और श्रीलंका में 19 लोगों की मौते

दक्षिण भारत में चक्रवाती तूफान फेंगल का असर देखने को मिल रहा है. मौसम विभाग ने केरल में चार जिलों (मलाप्. पुरम, कोझीकोड, वायनाड और कन्नूर) में आज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है. IMD ने आंध्र प्रदेश में भी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के अनुसार, आंध्र प्रदेश के काकीनाडा और अन्य जिलों के साथ–साथ दक्षिण तटीय क्षेत्र के नेल्लोर में भी भारी वर्षा हो सकती है. 19 लोगों की हुई मौत इस तूफान से पुडुचेरी और तमिलनाडु भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है. वहीं, श्रीलंका व भारत में शनिवार से अब तक 19 लोगों की मौत हुई है. इनमें श्रीलंका में 15 और चेन्नई में तीन मौतें शामिल हैं.

प्रभावित इलाकों में राहत–बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है. हजारों लोगों को निकाल कर राहत शिविरों में पहुंचाया गया है. बुजुर्ग लोगों का कहना है कि पुडुचेरी में प्रकृति का ऐसा कहर तीन दशक पहले भी देखने को मिला था.बा. रिश के चलते मुख्य मार्ग और सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे दैनिक जीवन अस्त–व्यस्त हो गया. खेतों में फसलें शबचाव अभियान जारीअधिकारियों ने बताया कि कई प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान जारी है और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से सैकड़ों लोगों को निकाला गया है. उन्हा. ेने कहा कि स्थानीय प्रशासन, पुलिस बल, सेना और विशेष बचाव दलों के समन्वित प्रयासों से अभियान कुशलताप. ूर्वक संचालित किया गया है. अधिकारियों ने कहा कि जीवा नगर और अन्य संवेदनशील इलाकों में लोगों को निकालने और आवश्यक राहत प्रदान करने के प्रयास जारी हैं. 1,000 से अधिक लोगों को पहुंचाया गया शिविर में चक्रवाती तूफान फेंगल की वजह से तमिलनाडु के कई इलाकों में 50 सेमी से ज्यादा बारिश हुई है. इस वजह से यहां पर बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं. तूफान से विल्लुपुरम सबसे ज्यादा प्रभावित है. इस तूफान की वजह से 32 राहत शिविरों में 1,000 से अधिक लोगों पहुंचा दिया गया है. जबकि विल्लुपुरम में 49 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं.वहीं, तिरुवन्नमलई में भारी बारिश के चलते मिट्टी धंसने की वजह से मलबे में करीब सात लोग फंस गए हैं. एनडीआरएफ की टीम लोगों को बचाने में जुटी हैं. हादसे के बाद का वीडियो भी सामने आया है.

सड़क पर किसान.पुलिस से संग्राम, तोड़ा घेरा भीषण जाम में फंसी एंबुलेंस

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में हजारों किसान नोएडा की सड़कों पर है। वो दिल्ली की तरफ कूच पर अड़े हैं। प्रदर्शनकारी किसान दिल्ली की ओर बढ़ रहे हैं। किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। पुलिस का सख्त घेरा तोड़कर आगे बढ़ गए, हालांकि थोड़ी दूर पर फिर से किसानों को रोक लिया गया है। उधर, भीषण जाम से हाहाकार मचा है। वाहन चालक और आम लोग परेशान हैं। भीषण जाम में एंबुलेंस भी फंस गई। जानकारी अनुसार, सोमवार को किसान नोएडा के रास्ते दिल्ली में घुसने पर अड़े हैं। किसानों का मकसद नोएडा से संसद भवन तक विरोध मार्च निकालने का है। संसद भवन ने शीतकालीन सत्र चल रहा है, ऐसे में किसानों को नोएडा–दिल्ली बॉर्डर पर ही रोकने की योजना है। किसानों के विरोध प्रदर्शन के चलते पुलिस ने दिल्ली–एनसीआर में कई स्थानों पर बैरिकेड लगाकर रूट डायवर्ट किया हुआ है। डायवर्जन के चलते सड़कों पर लंबा जाम लगा है। नोएडा में भीषण जाम में कई मरीज और एम्बुलेंस भी फंसी गईं। इस दौरान मरीजों का काफी परेशानी हुई। हालांकि एंबुलेंस को थोड़ी देर बाद दूसरी साइड से निकाल दिया गया। दलित प्रेरणा स्थल पर पुलिस की मजबूत घेराबंदी थी। जिसे प्रदर्शनकारी किसान तोड़कर आगे बढ़ गए। रस्सी से भीड़ को रोकने का पुलिस ने प्रयास किया था, लेकिन किसान रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं।उधर, किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने डीएनडी पर कड़ी बाड़ेबंदी की हुई है। दो बैरिकेडिंग के साथ दो क्रेन, एक ट्रक को बीच हाईवे खड़ा कर दिया है। उधर, ग्रेटर नोएडा की तरफ जाने वाला ट्रैफिक फंसा हुआ है। दिल्ली से ग्रेटर नोएडा की तरफ जाने वाली एक्सप्रेस वे की सड़क भी बंद की गई। इससे पहले, जब किसानों का जत्था महामाया फ्लाईओवर से दिल्ली की तरफ आगे बढ़ रहा था तो पुलिस और किसान आमने–सामने आ गए थे। किसानों को रोकने के लिए पुलिस सहित पीएसी की कई कंपनियों को भी तैनात किया गया है।दिल्ली–नोएडा बॉर्डर पर पुलिस के आलाधिकारी मौजूद

किसानों को दिल्ली की तरफ बढ़ने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस के आलाधिकारी बॉर्डर में मौजूद हैं। किसान प्रदर्शन के चलते दिल्ली– नोएडा बॉर्डर पर यातायात प्रभावित है।

पीएम मोदी शाम 4 बजे देखेंगे ‘द साबरमती गोधरा कांड पर आधारित है फिल्म

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम 4 बजे विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म श्द साब. रमती रिपोर्टश देखेंगे. बता दें कि ये फिल्म न्याय व्यवस्था, समाज और व्यक्तिगत संघर्षों के इर्द–गिर्द घूमती है. फिल्म की कहानी गहन सामाजिक मुद्दों को उजागर करती है और न्याय की जटिलताओं को दर्शाती है. जानकारी के अनुसार इससे पहले पीएम मोदी ने फिल्म की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए महत्वपूर्ण बताया था.फिल्म में विक्रांत मैसी ने मुख्य कि. रदार की भूमिका निभाया है. उनके अभिनय ने फिल्म को एक विशेष पहचान दी है. इस फिल्म में वे एक वकील की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने आदर्शों और न्याय के लिए संघर्ष करता है. उनकी सशक्त अदायगी और प्रभावशाली संवादों ने फिल्म को समीक्षकों से सराहना दिलाई है.फिल्म की थीम और निर्देशन फरवरी 2002 में हुए गोधरा कांड की सच्चाई और मीडिया की भूमिका पर आधारित फिल्म श्द साबरमती रिपोर्ट दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन रही है. फिल्म की कहानी समर कुमार (विक्रांत मैसी) नाम के एक हिंदी एंटरटेनमेंट जर्नलिस्ट के इर्द–गिर्द घूमती है जिसे अंग्रेजी पत्रकार हेय नजरों से देखते हैं. वहीं दूसरी तरफ मनिका राजपुरोहित (रिद्धि डोगरा) एक तेजतर्रार और लोकप्रिय न्यूज एंकर हैं जो अपने बॉस के इशारों पर झूठी रिपोर्टिंग करती हैं. समर को गोधरा कांड का सच उजागर करने के लिए पुख्ता सबूत हाथ लगते हैं, लेकिन मीडिया के भीतर फैले भ्रष्टाचार और झूठी खबरें दिखाने की साजिश उसे बड़ा खतरा बनाकर पेश करती हैं.

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा के सफल अभ्यार्थियों का पटना में प्रदर्शन

जुलाई 2023 में सिपाही भर्ती परीक्षा का विज्ञापन निकाला था और परीक्षा भी हुई. अब उसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है. हजारों की संख्या में राजधानी पटना स्थित धरना स्थल पर इस परीक्षा को पास कर चुके अभ्यर्थी धरना पर बैठ गए हैं. अभ्यर्थियों ने सीसीसी पर गंभीर आरोप लगाया है.इन सर्टिफिकेट की मांग का विरोध धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने कहा कि सीसीसी के जरिए बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा का आयोजन कराया गया था. जब इस बहाली प्रक्रिया के लिए विज्ञापन निकाला गया था तो कहीं पर भी ईडब्ल्यूएस या एनसीएल सर्टिफिकेट का जिक्र नहीं किया गया था. विज्ञापन में अभ्यर्थियों से इन सर्टिफिकेट को देने के लिए मांग नहीं की गई थी, लेकिन अब जब परीक्षा की पूरी प्रक्रिया कर ली गई है तो सीसीसी ने मनमानी करना शुरू कर दिया है. अभ्यर्थी ने आरोप लगाया कि अब सीसीसी द्वारा विज्ञापन की तिथि के पहले का ईडब्ल्यूएस और एनसीएल सर्टिफिकेट मांगा जा रहा है, जो कहीं से उचित नहीं है. धरना में मौजूद छात्र नेता दिलीप ने कहा कि जब बहाली के लिए नोटिफिकेशन निकाला गया उस वक्त EWS ;k NCL सर्टिफिकेट नहीं मांगा गया था. ब्ठब के विज्ञापन में भी इन दो सर्टिफिकेटों का कहीं कोई जिक्र नहीं था, लेकिन अब जब पूरी प्रक्रिया सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए पूरी कर ली गई है तो ब्ठब ने ईडब्ल्यूएस और एनसीएल सर्टिफिकेट इस परीक्षा के विज्ञापन के पहले का होना चाहिए, ये मांग की गई है.छात्र नेता का क्या है कहना छात्र नेता ने कहा कि पहले इसी सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होता है. पेपर लीक मामले में अध्यक्ष संलिप्त पाए गए और फिर परीक्षा को रद्द कर दिया गया. दूसरी बार परीक्षा ली गई तो अब जो अभ्यर्थी इसे पास करके सभी मानक पर खरे उतरे हैं तो उनसे एनसीएल और ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट 2022–23 का मांगा जा रहा है. विज्ञापन के बाद अथवा वर्तमान का है उनको मान्यता दीजिए. लगभग 30 से 40 हजार अभ्यार्थी इससे प्रभावित हो रहे हैं.

पहले दोस्ती, फिर बनाए संबंध, अब मांग रहा पांच लाख

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) अलीगढ़ के थाना पालीमुकीमपुर क्षेत्र की एक महिला ने फरीदाबाद निवासी युवक पर शादी के बाद उसकी अश्लील वीडियो बनाने व वायरल करने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की मांग करने का आरोप लगाया है। इस मामले में एसएसपी के आदेश पर पीड़िता ने महिला थाने में मुकदमा दर्ज कराया है ।थाना पालीमुक. ीमपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने तहरीर देकर कहा कि वह तलाकशुदा है और बल्लभगढ़ में रहकर निजी कंपनी में नौकरी करती थी। जहां उसकी मुलाकात मलैरना रोड, विजयनगर थाना, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा निवासी रोहित से हुई। इसके बाद दोनों साथ में ही रहने लगे। फिर शादी की बात करते हुए उसके संग शारीरिक संबंध बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि जब वह गर्भवती हुई तो उसका गर्भ गिरवा दिया। 15 मई 2024 को आर्य समाज मंदिर गाजियाबाद व हाईकोर्ट इलाहाबाद जाकर कोर्ट मैरिज कर ली । इसके बाद दोनों महिला के गांव में आकर रहने लगे। इसी बीच 20 अगस्त 2024 को उसने कहा कि कुछ जरूरत है, मैं घर जा रहा हूं। इसी के साथ महिला का एटीएम व 10 हजार रुपये लेकर चला गया । 22 अगस्त को महिला को अपने साथ बल्लभगढ़ ले गया । आरोप है कि यहां बंधक बनाकर कमरे में रखते हुए मारपीट की गई। महिला ने उसके परिवारीजनों से शिकायत की तो उल्टा उसे पीटा गया । आरोप है कि रोहित ने उसके एटीएम से साढ़े 11 हजार रुपये निकाले और अपने साथ अहमदाबाद ले गया । आरोप है कि वहां भी उससे गर्भ गिराने का दबाव बनाता रहा। जैसे–तैसे महिला ने अपने सहेली को फोन करके जानकारी दी, तब जाकर पुलिस की मदद से उसे थाने पहुंचाया । वहां मुकदमा नहीं लिखा, बल्कि उसे फ्लाइट

से घर भेज दिया। अब रोहित द्वारा महिला की अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की मांग की जा रही है। रोहित ने उसकी वीडियो बना रखी हैं। एसएसपी के आदेश पर महिला थाने में रोहित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

अलीगढ़ जिले में 25 दिनों में दिल का दौरा पड़ने से 14 और 8 साल के बच्चों समेत 5 लोगों की मौत,

अलीगढ़। अलीगढ़ जिले में 25 दिनों के भीतर दिल का दौरा पड़ने से 14 और 8 साल के दो बच्चों समेत 5 लोगों की मौत हो गई। अचानक हुई मौतों ने युवा आबादी में हॉर्ट संबंधी घटनाओं में वृद्धि को लेकर चिंता बढ़ा दी है। 23 नवंबर को अरना गांव की 20 वर्षीय ममता चौधरी राज्य पुलिस में कांस्टेबल की नौ. करी के लिए शारीरिक परीक्षण की तैयारी के दौरान दौड़ते समय गिर गई। उसके भाई जय कुमार ने कहा कि उसने मैदान के लगभग 4–5 चक्कर लगाए थे। उसके बाद वह गिर गई।इन लोगों के दिल ने अचानक दे दिया धोखा रिपोर्ट के अनुसार जेएन मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। इसी तरह सिरौली गांव का 14 वर्षीय मोहित चौधरी, जो कक्षा 6 का छात्र था, अपने स्कूल के वार्षिक खेल दिवस के लिए अभ्यास कर रहा था, जब उसे दौड़ के दौरान घातक दिल का दौरा पड़ा। रविवार को एक और दुखद घटना में लोधी नगर की 8 वर्षीय दीक्षा की अपने दोस्तों के साथ खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वयस्क पीड़ितों में 29 वर्षीय सैय्यद बरकत हैदर शामिल हैं, जिनकी 20 नवंबर को नींद में ही मौत हो गई। उनके चचेरे भाई अहमद मुस्तफा सिद्दीकी ने बताया कि वह रात में सो गया था। सोते समय वो खर्राटे लेता था। उस दिन जब मैंने उसे खर्राटे लेते नहीं सुना, तो मैंने उसे चेक किया तो पाया कि उसकी मौत हो चुकी है।मार्निंग वॉक से लौटे डाक्टर अचानक गिर पड़े, हो गई मौत बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. लवनीश अग्रवाल, जो 5 नवंबर को नियमित सुबह की सैर पर निकले थे, दिल का दौरा पड़ने के बाद घर पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। स्थानीय विशेषज्ञों का सुझाव है कि ये मौतें एक चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा हो सकती हैं। अलीगढ़ के कमल हार्ट केयर सेंटर के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. असर कमाल के अनुसार कोविड के बाद पिछले 2 से 3 सालों में युवाओं में हार्ट अटैक के मामले बढ़े हैं। तनाव एक बड़ा कारण है।बीते वर्षों में अचानक से बढ़ गए हार्ट अटैक के मामले अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एम रब्बानी के अनुसार पिछले 20 वर्षों में अचानक हृदय गति रुकने से होने वाली मौतों में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि दिल का दौरा एक प्रमुख कारण है, लेकिन कुछ बच्चों में जन्मजात हृदय रोग का निदान नहीं हो पाता है। बच्चों में सीने में दर्द या सांस फूलने जैसे लक्षणों की तुरंत जांच की जानी चाहिए।कोविड के बाद हृदय संबंधी घटनाओं में हुई वृद्धि एक हृदय रोग विशेषज्ञ ने कहा कि कोविड से ठीक हुए रोगियों में हृदय संबंधी घटनाओं में वृद्धि हुई है। विशेषज्ञ के अनुसार भारतीय चि. कत्सा अनुसंधान परिषद को टीकाकरण से अचानक हृदय गति रुकने का कोई सबूत नहीं मिला। हालांकि, कोविड से गंभीर रूप से प्रभावित लोगों में दिल का दौरा पड़ने का रिस्क अधिक होता है और उन्हें नियमित जांच करानी चाहिए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और समय पर चिकित्सा देखभाल लेने का आग्रह किया है, खासकर अस्पष्टीकृत लक्षणों के लिए।

सुप्रिसिद्ध स्वतंत्रता सैनानी स्व० राजा महेंद्र प्रताप सिंह जी का जन्मदिन कांग्रेसजनों ने काफी धूमधाम से मनाया ।

अलीगढ़ आज हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रभारी विवेक बंसल ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष ठाकुर सोमवीर सिंह व महानगर अध्यक्ष नवेद खान के साथ मिलकर तस्वीर महल स्थित राजा महेंद्र प्रताप पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया । इस अवसर पर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विवेक बंसल ने कहा कि राजा साहब भारत माता के सच्चे सपूत थे देश के स्वाधीनता संग्राम में उन्होंने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के विश्वस्त सहयोगी के रूप में काफी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनकी सच्ची निष्ठा और देशभक्ति को देखते हुये नेताजी ने उन्हें आजाद हिन्द फौज की ओर से निर्वासित सरकार का राष्ट्रपति घोषित किया था स्वाधीनता संग्राम में उनके योगदानों से अलीगढ़ का नाम रोशन हुआ जिसके लिये अलीगढ़ के निवासियों को सदेव उनके ऊपर गर्व रहेगा। इस अवसर पर उप. स्थित कांग्रेसजनों में शालिनी चौहान, पूर्व शहर अध्यक्ष सलाउद्दीन वसी, गया प्रसाद गिर्राज, शाहिद खान, पार्षद बिजेंद्र सिंह बघेल, अमजद हुसैन, शीलू चंदेल, आमिर मुन्तजिर, रईस कुरैशी, नादिर खान, मोहनलाल पप्पू, ब्रजेश सविता,

सुनील कुमार जाटव, मोहम्मद अनवार, इमरान रफीक, रोहित कुमार, आदि थे ।

अलीगढ़ में प्रधानाचार्या रचना गुप्ता ने बेस्ट प्लेयर अवार्ड ऑफ स्कूल 2024 स्केटिंग कप्तान योग कुमार को प्रमाण पत्र और स्कूल का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अलीगढ़ (जननायक सम्राट)धर्म समाज बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल अलीगढ़ में प्रधानाचार्या रचना गुप्ता ने बेस्ट प्लेयर अवार्ड ऑफ स्कूल 2024 स्केटिंग कप्तान योग कुमार को प्रमाण पत्र और स्कूल का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मा. नित किया। प्रधानाचार्या रचना गुप्ता ने कहा सत्र 2024 में स्केटिंग प्रतियोगिता में जिला स्तर व राष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर और गोल्ड मेडल जीता है। योग कुमार एक अनुशासित स्केटिंग के खिलाड़ी हैं कक्षा 9 के छात्र हैं। दिल्ली राष्ट्रीय स्के. टिंग खो–खो में अंडर 14 यूपी टीम का कप्तान बनकर टीम को तृतीय स्थान पर जीतकर ब्राउज मेडल प्राप्त कर स्कूल, अलीगढ़ और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है।राष्ट्रीय स्केटिंग ओपन रोलर चौंपियनशिप शिमला 2024 में टाइम ट्रायल प्रतियोगिता में तीन राउंड 36 सेकंड में पूर्ण कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। प्रबंधक संजय कुमार गोयल ने

योग कुमार को जिला स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर और गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई दी और बताया कि ऐसी खिलाड़ी देश का भविष्य है यह विद्यालय, प्रदेश और देश का नाम रोशन करते हैं अतः ऐसे बच्चों की प्रतिभा को उजागर करने का काम खेल प्रशिक्षको को करना चाहिए। प्रबंधक संजय कुमार गोयल और प्रधानाचार्य रचना गुप्ता ने खिलाड़ी और स्केटिंग कोच प्रदीप रावत को हार्दिक बधाई दी। सम्मानित करते समय हेड मिस्टर पूजा जैन, अनुशासन प्रभारी पुष्कर वार्ष्णेय, खेल प्रभारी प्रदीप रावत, गौरव राजपूत, लुबना शफीक उप. स्थित रहे हैं ।

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की जयंती .विश्वविद्यालय मे की गई आयोजित

अलीगढ़ स राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के कर्तव्य बोध मैं जीवन संघर्ष और राष्ट्रोद्धारक चेतना का प्राधान्य था स उनका जीवन दर्शन मानवता की भावभूमि ।तलं आच्छादित था स वे परहित को महत्त्व देते थे, न कि व्यक्तिगत हित को स संस्कृत,हिंदी , अंग्रेजी, उर्दू, फारसी, अरबी कई भाषाओं पर उनका अधिकार था स अफगानिस्तान मैं जाकर अपदस्थ सरकार का गठन करके उन्होंने देशभक्ति के विविध आयाम प्रस्तुत किए स यह विचार राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की जयंती पर विश्वविद्यालय कैम्प कार्यालय मैं आयोजित जयंती कार्यक्रम मैं सेठ पी. सी. बागला महाविद्यालय, हाथरस के हिंदी प्रोफेसर राजेश कुमार ने व्यक्त किए स प्रोफेसर नीता वार्ष्णेय ने कहा कि राजा महेन्द्र प्रताप सिंह का जीवन देशभक्ति से पूर्ण था स उन्होंने कई ऐसे कार्य किए जो अभूतपूर्व हैं स डिप्टी रजिस्ट्रार कैलाश बिन्द ने कहा कि राजा साहब ने देश के विकास मैं अतुलनीय कार्य किए स यहाँ जितेंद्र सिंह यादव, प्रवीन कुमार यादव, राजकुमार वर्मा, पुष्पेंद्र यादव, अजय पाल, रूप कुमार सिंह,, रोहित कुमार, रनवीर इत्यादि उपस्थित थे स

निर्माणाधीन भगवान परशुराम मंदिर आसना मथुरा रोड अलीगढ़ परिसर में 500 गज में भगवान् परशुराम गौशाला का हुआ शिलान्यास।

अलीगढ़ (जननायक सम्राट)निर्माणाधीन भगवान परशुराम मंदिर आसना मथुरा रोड अलीगढ़ परिसर में 500 गज में भग. वान् परशुराम गौशाला का शिलान्यास हो गया है।ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष श्री पी सी शर्मा, महासचिव डॉक्टर एन के शर्मा, एवम् मीडिया प्रभारी श्री मुकेश शर्मा ने अवगत कराया कि उक्त गौशाला का शिलान्यास,अमावस्या के महान पर्व पर दोपहर 12रू30 बजे परम पूज्य स्वामी पूर्णानंद पुरी महाराज जी एवं उनके परम प्रिय शिष्य आचार्य गौरव शास्त्री, रवि शास्त्री, माधव पंडित, ऋषभ पंडित, ओम वेदपाठी एवम विवेक चतुर्वेदी की गरिमामई उपस्थिति में विधि विधान से सम्पन्न हुआ। मुख्य यजमान के रूप में भगवान् परशुराम सेवा ट्रस्ट (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत) के संरक्षकध्ट्रस्टी श्री सुशील कौशिक एवम् उनकी धर्मपत्नी, ट्रस्ट की ट्रस्टी एवम् भाजपा की वरिष्ठ नेता श्रीमती शुभा कौशिक ने शिलान्यास पूजन में भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य यजमान श्री सुशील कौशिक एवम् श्रीमती शुभा कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि गौ सेवा से बड़ी सेवा संसार में कोई नहीं है, क्योंकि इसमें समस्त देवताओं का वास है।

ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष श्री पी सी शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भग. वान परशुराम जी ने कामधेनु गाय का अपहरण करने वाले राजा सहस्त्रावाहु का उनके पुत्रों, समस्त सेनाओं सहित एवम् उनके वंश का ही संहार कर दिया था। इस मौके पर ट्रस्ट के संरक्षकध् ट्रस्टी श्री बी एल शर्मा,श्री वाई के शर्मा, श्री अनिल शर्मा(गुरुकुल), कवि प्रेम किशोर पटाका, श्री रामनिवास शर्मा,श्री धनपाल शर्मा, श्री वीरेंद्र शर्मा,श्री संजय गौड़, इंजीनियर प्रमोद कुमार, श्री अंकित पालीवाल,श्री दिनेश चन्द शर्मा, ठाकुर धीरेन्द्र सिंह,ठाकुर प्रवीण कुमार सिंह, श्री मधुरेश हरि द्विवेदी,श्री सतेन्द्र पंडित, श्री राजेश गौड़, श्री उदयवीर शर्मा,श्री राकेश कुमार शर्मा, डॉ उमेश चंद्र शर्मा, डॉ उमेश उपाध्याय,श्री हरीश चन्द उपाध्याय, श्री गोकुलेश शर्मा, श्री श्याम राजमहल, श्री पंकज ठाकुर,श्री प्रेम चन्द उपाध्याय, श्री निपुण उपाध्याय, श्री पीयूष शर्मा, श्री महावीर प्रसाद शर्मा, श्री सूरज पाल वघेल, श्री अजय शर्मा, श्री राज शेखर उपाध्याय, श्री प्रभात चौधरी, श्री मोनू शर्मा, श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय, श्री जीतू ठाकुर, श्री गिर्राज सिंह, श्री गा. `पाल सिंह, श्री रोहताश कुमार, श्री धर्मेन्द्र सिंह, श्री नन्द किशोर आदि मौजूद रहे।मात्रशक्ति के रूप में श्रीमती शकुन्तला शर्मा,श्रीमती दया शर्मा, श्रीमती उपासना शर्मा, श्रीमती कल्पना शर्मा, श्रीमती अंजू शर्मा, श्रीमती प्रीति शर्मा, श्रीमती आरती शर्मा, श्रीमती श्रेया शर्मा, प्रियंका वघेल आदि उपस्थित रहे। युवा शक्ति के रूप में श्री सोनू वशिष्ठ, श्री प्रतीक शर्मा, श्री विष्णु शर्मा, श्री हेमन्त दीक्षित, इंजीनियर प्रशांत लवानिया, श्री राजेश कुमार, श्री अरुण पचौरी, श्री कपिल पंडित, श्री अश्विनी पंडित,श्री संजीव वार्ष्णेय, श्री अरनव शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से आ रही कॉल से घबराए शिक्षक

हाथरस करीब 250 शिक्षकों ने नंबर से यह कॉल आ चुकी है। कॉलर एक एप को डाउनलोड करके डाटा को फीड करवाने की बात कही जा रही है साथ ही आधार कार्ड का फोटो अपलोड करने के लिए भी कहा जा रहा है।परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक इन दिनों मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से आ रही कॉल से घबराए हुए हैं। इसमें एक कॉलर एप और एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा जा रहा है, जिससे संशय हो रहा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से भी समय–समय पर फीड बैक लिया जाता है, लेकिन यह सही है या नहीं, शिक्षक इसे तय नहीं कर पा रहे हैं।अब तक करीब 250 शिक्षकों ने नंबर से यह कॉल आ चुकी है। कॉलर एक एप को डा. उनलोड करके डाटा को फीड करवाने की बात कही जा रही है साथ ही आधार कार्ड का फोटो अपलोड करने के लिए भी कहा जा रहा है। इस नंबर के आने के बाद शिक्षकों ने अपने अपने व्हाटस ग्रुप में इस बात को साझा करना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा का कहना है कि लगातार शिक्षकों के पास ऐसी कॉल आ रही है। उन्होंने शिक्षकों से कहा है कि कोई भी कार्य विभागीय अधिकारियों के माध्यम से आने पर ही किया जाएगा। इस तरह के कॉल की पुष्टि करने के बाद ही कोई कदम उठाए।सीओ सिटी योगेंद्र कृष्ण नारायण ने बताया कि इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से भी समय समय पर फीड बैक के लिए सर्वे किया जाता है। कोई शिकायत करता है तो इसकी जांच कराईजाएगी।विभागीय ग्रुपों में घुस रहे साइबर ठगशिक्षक ने. ताओं ने बताया कि दो दिन पूर्व करीब आठ नंबर संकुल शिक्षकों के ग्रुप से जुड़ गए। जब इन नंबरों को जोड़ने वाले नंबर से वार्ता की गई तो शिक्षिका ने बताया कि मैंने किसी नंबर को नहीं जोड़ा है। बताया कि फिर इन नंबरों को ग्रुप से रिमूव किया गया।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 07 दिसम्बर को

अलीगढ़ जिलाधिकारी विशाख जी० ने शहीदों के परिवारों की मदद के उद्देश्य से 07 दिसम्बर को मनाए जाने वाले सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर जनपदवासियों से अधिक से अधिक धन दान कर धनराशि जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में जमा कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि झण्डा दिवस पर जमा धनराशि भूतपूर्व एवं शहीद सैनिकों के परिवारों के कल्याण के लिये उपयोग की जाती है। डीएम ने जिले के सभी गणमान्य व्यक्तियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों वजनसामान्य से अपील करते हुये कहा है कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक दान करें ताकि इस कोष में अधिक से अधिक धनराशि जमा की जासके।जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी एवं सेवानिवृत्त विंग कमाण्डर जितेन्द्र कुमार चौहान ने अवगत कराया है कि देश की सुरक्षा के लिये हमारे सैनिक दिन–रात एक कर अपना कर्तव्य निभाते हैं, लेकिन कई बार देश की सुरक्षा में सैनिकों को अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ती है। ऐसे में इन सैनिकों के घरवालों के दर्द को समझ पाना बहुत कठिन होता है। उन्होंने बताया है कि शहीदों के परिवारों की मदद के उद्देश्य से हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 07 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया जाएगा, ताकि देश की सुरक्षा में अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले शहीद सैनिकों के परिवारों की मदद की जा सके।

संपादकीय

अच्छी नहीं अनिश्चितता, महाराष्ट्र में सरकार बनने में देरी क्यों?

महाराष्ट्र की समकालीन राजनीति की एक दिलचस्प खूबी ही कही जाएगी कि मतदाताओं के प्रचंड जनादेश के बा. वजूद सरकार गठन की प्रक्रिया मुश्किलों से घिरी दिख रही है। अपनी तरफ से शपथ ग्रहण की तारीख घोषित करके ठश्र्च ने यह कोशिश जरूर की है कि सभी मतभेद तब तक सुलझा लिए जाएं, लेकिन इस कदम का भी कितना और कैसा असर होगा, इसे लेकर तत्काल कोई नतीजा निकालना मुश्किल साबित हो रहा है।राजनीति में हालांकि इस तरह के असमंजस की स्थिति बनती रही है, लेकिन जिस तरह की अप्रत्याशित जीत महायुति के हिस्से में आई है, उसके बाद इसकी उम्मीद नहीं की जा रही थी। इस देरी से जहां जनता के बीच महायुति के घटक दलों में आपसी विश्वास और सामंजस्य की कमी का संदेश जा रहा है और सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर ठश्र्च की स्थिति असहज हो रही है, वहीं विपक्षी खेमे को भी टीका–टिप्पणी का मौका मिल रहा है।फिलहाल कार्यवाहक मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे एकनाथ शिंदे के अचानक सातारा जाकर बैठ जाने के पीछे भले ही औपचारिक तौर पर उनकी सेहत खराब होने का हवाला दिया जा रहा हो, उनकी पार्टी के ही कई नेता इसे परोक्ष धमकी के रूप में इस्तेमाल करते हुए कह रहे हैं कि शिंदे इस तरह से अपने गांव तभी जाते हैं जब कोई श्बड़ा फैसलाश करना होता है। इसलिए शिंदे क्या करेंगे, इस बात को लेकर भी अटकलें लग रही हैं।वैकल्पिक समीकरण नहींसवाल अगर ज्यादा दूर तक नहीं जा रहा तो उसके पीछे चुनाव नतीजों से निकले ठोस राजनीतिक समीकरण ही हैं, जिनमें किसी वैकल्पिक व्यवस्था की गुंजाइश नहीं दिख रही। ठश्र्च और अजित पवार की अगुआई वाली छब्द के विधायकों का जोड़ ही सुविधाजनक बहुमत जुटा देता है। अजित पवार जिस मजबूती से ठश्र्च के साथ खड़े नजर आ रहे हैं, उसमें एकनाथ शिंदे कोई भी फैसला करें, ठश्र्च नेतृत्व का सिरदर्द नहीं बन सकते।सबका साथ, सबका विश्वास फिर भी ठश्र्च के लिए सबको साथ लेना और सबका विश्वास हासिल करते हुए आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है। आगामी मुंबई महानगरपालिका के चुनाव तय करेंगे कि मुंबई में किसका दबदबा रहेगा। मुंबई और ठाणे में शिंदे के प्रभाव को देखते हुए ठश्र्च उन्हें दूर करके उद्धव ठाकरे की शिवसेना को जड़ें मजबूत करने का मौका नहीं देना चाहेगी। लिहाजा, उन्हें मनाना ठश्र्च नेतृत्व के लिए जरूरी है।दूर हो अनिश्चितताकुल मिलाकर देखा जाए तो महाराष्ट्र जैसा अहम मोर्चा फतह करने के बाद भी इस तरह का अनिश्चय छव। और महायुति की तरफ से कोई अच्छा संदेश नहीं दे रहा। यह जितनी जल्दी दूर हो, उतना ही अच्छा है।

संकट में भारतीय ज्ञान परंपरा, भारत के लिए औपनिवेशिक गुलामी से मुक्ति जरूरी

आचार्य राघवेंद्र पी. तिवारी। यद्यपि हमने 15 अगस्त, 1947 को तत्कालीन औपनि. वेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की, किंतु अंग्रेजों की लगभग 200 वर्षों की दासता का दुष्प्रभाव हमारी संस्थाओं, व्यवस्थाओं, राजनीतिक–सामाजिक प्रतीकों एवं जीवनशैली में विद्यमान है। औपनिवेशिक प्रवृत्ति एवं परंपराओं, हमारी शासन व्यवस्था, भाषा, वास्तुकला एवं जीवन के अन्यान्य क्षेत्रों में अब भी मौजूद हैं। तत्कालीन भौगोलिक परतंत्रता अब मानसिक और सांस्कृतिक गुलामी में परिवर्तित हो रही है।वर्तमान परिदृश्य में जब भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम औपनिवेशिक मानसिकता एवं उसके प्रतीकों से मुक्त हों। आज विश्वभर के चिंतक इस बात से सहमत हैं कि गुलामी केवल शारीरिक रूप से किसी देश पर अधिकार जमाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह उस राष्ट्र के जीवन दर्शन एवं मूल्यों को भी प्रभावित करती है।अंग्रेजों ने भारत पर शासन करते हुए सिर्फ भौगोलिक एवं आर्थिक शोषण ही नहीं किया, वरन सामाजिकता, परंपरा, इतिहास और सांस्कृतिक अस्मिता को भी विकृत करने का दुष्प्रयास किया। परिणामस्वरूप ऐसी मानसिकता का विकास हुआ जिसमें भारतीय नागरिक 'स्व' के अस्तित्व को भूलकर पश्चिमी सभ्यतागत विमर्श के अनुगामी बन बैठे। जैसे कि भारत में आज भी अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व है। अंग्रेजी के मुकाबले अन्य भारतीय भाषाओं को हीनता की दृष्टि से देखा जाता है। उच्च शिक्षा, न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक कार्यों में अंग्रेजी का ही बोलबाला है। भारतीय भाषाओं का व्यवहार करने वालों को कमतर आंका जाता है एवं अंग्रेजी बोलने वालों को अधिक योग्य माना जाता है। कई माता–पिता इस बात पर गर्व करते हैं कि हमारा बेटा जिस स्कूल में पढ़ता है वहां एक भी शब्द हिंदी का बोलने नहीं दिया जाता।युवा पीढ़ी न तो अपनी मातृभाषा में लिखने–पढ़ने में सक्षम है और न ही भारतीय साहित्य और ग्रंथों को समझने में। ऐसी स्थिति ने भारतीय ज्ञान परंपरा को संकट में डाल दिया है। अंग्रेजी से हमें परहेज नहीं होना चाहिए, परंतु उसे अपनी मातृभाषा से ज्यादा महत्व देना ठीक वैसे है जैसे अपनी मां के स्थान पर दूसरे की मां को अधिक श्रेष्ठ मानना।आज संपूर्ण जीवनशैली में पश्चिमी बातों का अंधानुकरण करना एक 'स्टेटस सिंबल' सा बन गया है। परंपरागत व्यंजनों के प्रति हमारी रुचि कम हो रही है एवं पाश्चात्य व्यंजन हमारी थाली की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हम जो फादर्स–मदर्स–ब्रदर्स–सिस्टर्स–वैलेंटाइन डे आदि मनाते हैं, यह तो हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं, अपितु पाश्चात्य संस्कृति की भोंडी नकल हैं। हमारे लिए तो जीवन का प्रत्येक क्षण इन रिश्तों में आत्मीयता हेतु समर्पित था। हम अपनी प्रकृति–प्रेमी जीवनशैली से विरक्त होकर प्रकृति विरोधी पथ पर अग्रसर हो गए हैं। परिणामतः जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को विवश हैं।संपूर्ण व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित करने वाली गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के बजाय भारतीय शिक्षा प्रणाली आज भी मैकाले द्वारा स्थापित ढांचे पर आधारित है, जिसका उद्देश्य भारतीयों को अंग्रेजी शासन के लिए 'क्लर्क' तैयार करना था। हमारी शिक्षा व्यवस्था आज पश्चिमी ज्ञान को श्रेय देती है एवं भारतीय ग्रंथों, विज्ञान और परंपराओं को हाशिये पर धकेल रही है।इस हेतु हमें भारतीय ज्ञान प्रणाली का नए सिरे से अध्ययन एवं वर्तमान में उनकी उपादेयता पर सघनता से कार्य करना होगा। आज भी भारतीय न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्था ब्रिटिश माडल पर आधारित है।

न्यायिक प्रक्रिया अंग्रेजी में होती है, जो आम जनमानस की समझ से परे है। इस दिशा में तेजी से परिवर्तन की आवश्यकता है। भला हो मोदी सरकार का जिसने पहली बार भारतीय न्याय सं. हता लागू की।अंग्रेजों ने भारतीयों में यह भावना विकसित की कि हम सभ्यता, ज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र में पश्चिम से कमतर हैं। यहां तक कहा गया कि भारतीयों को सभ्य बनाना अंग्रेजों का अतिरिक्त कर्तव्य है। यह मानसिक गुलामी हमारे विकास में बाधा बन रही है। भारतीय परंपराओं, संस्कारों, रीति रिवाजों, कौशल–विकास परंपरा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था आदि को आधुनिकता के नाम पर त्यागा जा रहा है। युवा पीढ़ी अपनी जड़ों और संस्कृति से अनभिज्ञ होती जा रही है। हम अपने संसाधनों और प्रतिभा का संपूर्ण उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। विद. ेशी वस्तुओं, तकनीक और सेवाओं पर अत्यधिक निर्भरता आत्मनिर्भर भारत के मार्ग में अवरोध है। ऐसे में यक्ष प्रश्न है कि मानसिक गुलामी से मुक्ति कैसे पाई जाए? औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के लिए देश को व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आध्यात्मिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है।यह केवल सरकारी नीतियों तक सीमित नहीं हो सकता, अपितु समाज के प्रत्येक वर्ग को मनसा, वाचा, कर्मणा इस महायज्ञ में आहुति डालनी होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में निहित सुधारों को संपूर्णता से लागू करके ही शिक्षा में भारतीय संस्कृति, परंपराओं, ज्ञान भंडार एवं गौरवशाली इतिहास को प्राथमिकता दी जा सकती है।आवश्यकता है कि हम अपनी जड़ों की ओर लौटें एवं उन्हें सी. चें। अपनी संस्कृति एवं जीवंत परंपरा पर गर्व करें और औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागकर आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी, विकसित एवं 'स्व' के तंत्र वाले भारत का निर्माण करें। मानसिक गुलामी से मुक्त होकर ही हम वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बन पाएंगे। जब तक भारतीय समाज इस बीमारी से मुक्त नहीं होगा, हमारी स्वतंत्रता अधूरी रहेगी। और इस लक्ष्य को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ कदम से कदम मिलाकर 2047 तक प्राप्त कर लेना होगा।

मतांतरण पर सही संदेश, दलितों के हिस्से के अवसर मतांतरित ईसाइयों एवं मुस्लिमों को नहीं दिए जा सकते

मतांतरण वस्तुतः राष्ट्रांतरण होता है। मतांतरित व्यक्ति अपनी जन्मभूमि, इतिहास और संस्कृति से टूट जाता है। भारत ईसाई, इस्लामी जोर जबरदस्ती, लोभ, भय आधारित मतांतरण का भुक्तभोगी है। मद्रास हाई कोर्ट में एक महिला ने ईसाई होने के बावजूद हिंदू दलित होने का प्रमाण पत्र मांगा था।न्यायालय ने टिप्पणी की कि केवल नौकरी के लिए मतांतरण संविधान विरुद्ध है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को स्वीकार कर लिया है। न्यायालय ने कहा है कि आरक्षण का लाभ लेने के लिए मतांतरण संविधान के साथ धोखाधड़ी है। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय से राष्ट्र प्रसन्न है।राष्ट्रपति के 1950 के आदेश में कहा गया है कि सिर्फ हिंदुओं, बौद्ध, जैन सहित सिखों के दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा मिल सकता है। संविधान में धर्म प्रचार (अनु. 25) की स्वतंत्रता है और किसी भी पंथ या विश्वास को स्वीकार करने की भी। कोर्ट ने बल देते हुए कहा कि मतांतरण सच्चे विश्वास से प्रेरित होते हैं न कि गुप्त उद्देश्यों से।मतांतरित दलित ईसाई–मुस्लिम की आरक्षण से जुड़ी मांग पुरानी है। मतांतरित अनुसूचित जाति को सरकारी प्रयोजनों के लिए अनुसूचित जाति का नहीं माना जा सकता। उन्हें ईसाई या मुस्लिम बन जाने का कोई लाभ नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के व्यापक प्रभाव होंगे।मतांतरण अंग्रेजी राज के पहले से ही राष्ट्रीय बेचैनी का विषय रहा है। मिशनरी अस्पताल, स्कूल और तमाम सुविधाएं सेवाएं देकर गरीबों का मतांतरण कराते हैं। तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना और झारखंड आदि कई राज्यों में मतांतरण जारी है। महात्मा गांधी ने वर्ष 1936 में हरिजन में लिखा था, 'आप पुरस्कार के रूप में चाहते हैं कि आपके मरीज ईसाई बन जाएं।' डा. आंबेडकर ने भी कहा था, 'गांधी जी के तर्क से वह सहमत हैं, लेकिन उन्हें ईसाई पंथ प्रचारकों से दो टूक शब्दों में कह देना चाहिए कि अपना काम रोक दो।'उन्होंने व्लादिमीर के ईसाई होने और एक साथ भारी भीड़ के मतांतरण का उदाहरण देते हुए कहा, 'इतिहास गवाह है कि धोखाधड़ी के कारण धर्म परिवर्तन हुए हैं।' अफ्रीकी आर्कबिशप डेसमंड टूटू ने कहा था, 'जब मिशनरी अफ्रीका आए तब उनके पास बाइबल थी और हमारे पास धरती। मिशनरी ने कहा हम सब प्रार्थना करें। हमने प्रा. र्थना की। आंखें खोलीं तो पाया कि हमारे पास बाइबल थी और भूमि उनके कब्जे में।'मतांतरित व्यक्ति की देश के प्रति कोई आस्था नहीं होती। उसके आराध्य भी बदल जाते हैं। विश्वविख्यात लेखक वीएस नायपाल ने लिखा है, 'जिसका धर्म परिवर्तन होता है, उसका अपना अतीत नष्ट हो जाता है। नए विश्वास के कारण उसके पूर्वज बदल जाते हैं। उसे कहना पड़ता है कि हमारे पूर्वजों की संस्कृति अस्तित्व में नहीं है और न ही कोई मायने रखती है।'आजादी के बाद चार–पांच साल की अवधि में मध्य प्रदेश की कांग्रेसी सरकार भी मतांतरण से परेशान रही। उस दौर में मुख्यमंत्री रहे रविशंकर शुक्ल ने न्यायमूर्ति भवानी शंकर नियोगी की अध्यक्षता में जांच कमेटी बना. ई। समिति ने 14 जिलों के लगभग 12,000 लोगों के बयान लिए। ईसाई संस्थाओं को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिला।नियोगी समिति ने मतांतरण के लक्ष्य को लेकर भारत आए विदेशी तत्वों को देश से बाहर करने की सिफारिश की। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एमएल रेंगे के नेतृत्व वाली जांच समिति ने ईसाई मतांतरण को ही दंगों का कारण बताया। वेणुगोपाल आयोग ने यह कृत्य रोकने के लिए नए कानून की सिफारिश की। ओडिशा में सक्रिय ईसाई पंथ प्रचारक ग्राहम स्टेंस और उनके दो बच्चों को जलाकर मारने की जांच करने वाले वाधवा आयोग ने भी ईसाई मतांतरण को चिह्नित किया।वर्ष 2020 में मोदी सरकार ने सख्ती दिखाई और चार बड़े ईसाई संगठनों के अनुमति पत्र एवं विदेशी अनुदान विनियमन अधिनियम संबंधी प्रविधान निरस्त कर दिए। अधिनियम के संशोधन में सभी एनजीओ को 20 प्रतिशत से अधिक प्रशासनिक व्यय न करने के निर्देश हैं। इससे पूर्व एनजीओ विदेशी सहायता का 50 प्रतिशत हिस्सा प्रशासनिक खाते में दिखाते थे, मगर इस राशि का उपयोग मतांतरण के लिए होता रहा। विदेशी अनुदान को किसी अन्य संगठन को हस्तांतरिण पर भी रोक लगाई थी। प्रत्येक दृष्टि से प्रशंसनीय इस कानूनी संशोधन का भी विरोध हुआ। तृणमूल कांग्रेस ने अधिनियम का विरोध किया था। कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी ने इसे विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कहा था।धर्म प्रचार का अधिकार खतरनाक है। इसका सदुपयोग विरल है और फायदे के लिए दुरुपयोग आसान। धर्म उपभोक्ता वस्तु नहीं है। उपभोक्ता वस्तुओं का प्रचार होता है। धर्म साधना के तल पर व्यक्तिगत है और सामूहिक स्तर पर राष्ट्रजीवन की आचार संहिता। ईसाई और इस्लाम सहित सभी पंथ, मत और मजहब धर्म नहीं हैं। वे पंथधरिलीजन हैं। प्रत्येक पंथ और रिलीजन का कोई न कोई पैगंबर या देवदूत होता है।

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला ब्यूरो चीफमंडल ब्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा –संम्पादक
मौः–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिंन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा